छत्तीसगढ राज्य विद्युत पारेषण कम्पनी मर्यादित

(छत्तीसगढ शासन का एक उपक्रम)(छ0रा0वि0मं0 का एक उत्तरदायी कम्पनी)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता(अउदा:निर्माण) संभाग,छराविपारेकंमर्या,तिफरा,बिलासपुर

Email Address: eeeht.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. / Fax 07752-427074

क्रमॉक का .अ./अ.उ.दा./निर्माण/संभाग/– बिलासपुर, दिनांक 05.04.19

परियोजना का औचित्य

लारा सुपर थर्मल पावर परियोजना दक्षिण पुर्व मध्य रेलवे चरण –1 विद्युतीकृत मार्ग पर स्थित है । परियोजना 2X800 MW क्षमता के पावर स्टेशन की परिकल्पना का प्रावधान है ।चरण–1 के लिए 8MTPA के कोयले की आवश्यकता को खानो से पुरा करने का प्रस्ताव है जो लगभग प्लांट से 65 किमी की दुरी स्थित है । खानो से लेकर लारा प्लांट तक कोयले आवाजाही NTPC के अन्य बिजलीधरो के लिए रायगढ की ओर भी ले जाया जाएगा । यह भारतीय रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन इंजन द्वारा होगा । तदनुसार कोतारिया छोंर से तलाईपाली की खानो और लारा प्लांट तक के रायगढ छोर को विद्युतीकृत करने का प्रस्ताव है ।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) के साथ साथ ईएसपी (इंजीरियरिंग स्केल प्लान) एवं जीपीएस (सामान्य बिजली आपुर्ति आरेख) जो पहले से ही SEC रेलवे द्वारा अनुमोदित है । 132/33 के.व्ही. ट्रेक्शन उपकेन्द्र (TSS) जुरदा गांव मे Y–कनेक्शन मे स्थित है ताकि यह एक साथ दोनो तरफ ट्रेक्शन शक्ति को पूरा कर सके।

132/33 के.व्ही. ट्रेक्शन उपकेन्द्र (TSS) जुरदा में फीडिग पोस्ट और स्विच गियर्स प्रस्तावित है । वर्ष 2016 मे ट्रेक्शन उपकेन्द्र के लिए भूमि का अधिग्रहण ग्राम जुरदा मे किया गया है । निर्माण एवं अन्य गतिविधियो को 132/25 के.व्ही (TSS) के लिए भी NTPC द्वारा निर्माण शूरू किया गया है । ट्रेक्शन उपकेन्द्र जुरदा को बिजली पहुचाने के लिए 132 के.व्ही. अति उच्च दाब सप्लाई नेटवर्क की स्थापना/निर्माण करना होगा। जिसके लिए जिला रायगढ एक मात्र समाधान है । तदनुसार नई **"132 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाईन का निर्माण 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र कोडातराई से प्रस्तावित NTPC ग्राम जुरदा तक 132 के.व्ही. डीसीडीएस लाइन"** प्रस्तावित है ।

132 के.व्ही. डीसीडीएस लाइन सप्लाई के लिए छत्तीसगढ स्टेट विघुत ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड द्वारा 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र कोडातराई से दिया जाना आवश्यक है , प्रस्तावित 132 के.व्ही. अति उच्च दाब लाइन का पूरा मार्ग छत्तीसगढ के रायगढ के अंतर्गत आता है जो कि वन और पहाडी श्रृखला से घिरा हुआ है । इसलिए लाईन के मार्ग से वन क्षेत्र को टाला नही जा सकता। वन भूमि के उपयोग और न्यूनतम पेड की कटाई से बचने और ट्रांसमिशन लाइन के अन्य सभी तकनीकी पहलुओ का पालन करने के लिए परियोजना के सभी पहलुओ को अंतिम रूप देने के दौरान अन्य दो वैकल्पिक मार्गो की भी जांच की गई है और वन भूमि और वृक्षो की अधिक संख्या और लंबी लाईन पाई गई है । जिसका विवरण निम्नलिखित है।

क	विवरण	रूट नं. –1	रूट नं. –2	रूट नं. –3
1	(1) RF/PF(आरक्षित वन /संरक्षित वन)	1.520 किमी	0.811 किमी	0.811 किमी
2	(2) Revenue forest(राजस्व वन)	3.234 किमी	02.74 किमी	2.965 किमी
3	कुल वन	4.754 किमी	3.551 किमी	3.776 किमी
		12.836 हेक्टेयर	9.589 हेक्टेयर	10.2 हेक्टेयर

132 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाइन का मार्ग केवल गजमार पहाडियो को पार करने के प्श्चात ही संभव है, क्योकि TSS पहाडियो के उत्तर दिशा में है और 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र कोडातराई पहाडियो के दक्षिण दिशा में है । उपरोक्तानुसार रूट कमांक –2 सबसे कम दुरी एवं वन प्रभावित क्षेत्रफल कम है जिससे प्रस्तावित . ट्रांसमिशन लाइन मार्ग सबसे अच्छा संभव मार्ग है जिसमें वन भूमि का मांग न्यूनतम और अपरिहार्य पैच है।

Executive Engineer
EHT (C) Dn. CSPTCL
Bilaspur

Scanned by CamScanner